

प्रेषक,

संतोष बडोनी,
अनु सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिकासी निदेशक,
डी.एम.एम.सी.,
सचिवालय परिसर, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास अनुभाग,

देहरादून: दिनांक 06 जून, 2012

विषय:-

Centrally Sponsored Scheme on National School Safety Programme a Demonstration Project of NDMA. उत्तराखण्ड राज्य सरकार के खाते में प्राप्त धनराशि आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र को उपलब्ध कराये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-231/डी.एम.एम.सी./XIV-369 (2012) TC, दिनांक 18 जून, 2012 के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि गृह मंत्रालय (आपदा प्रबन्धन प्रभाग), भारत सरकार, ए, विंग प्रथम तल, लोक नायक भवन, खान मार्केट, नई दिल्ली के पत्र संख्या-47-23/2008-DM-III, दिनांक 30 मार्च, 2012 द्वारा Centrally Sponsored Scheme on National School Safety Programme a Demonstration Project of NDMA. हेतु वित्तीय वर्ष 2011-12 में आयोजनागत मद में ग्रांट नं० 55 के माध्यम से उपलब्ध करायी गई ₹ 22,78,958/- (₹ बाइस लाख, अठहत्तर हजार, नौ सौ अट्ठावन मात्र) की धनराशि के व्यय की स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

- 1- धनराशि का व्यय करने से पूर्व आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र की कार्यकारणी से अनुमोदित करा लें तथा धनराशि का उपयोग इसी वित्तीय वर्ष में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्राक्चोरमेंट) 2008 में दी गई प्रक्रिया अनुसार सुनिश्चित किया जाय।
- 2- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं कार्यों पर ही किया जायेगा, जिस हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है। धनराशि के उपयोग में भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। धनराशि का गलत उपयोग होने पर अधिकासी निदेशक, डी.एम.एम.सी. का उत्तरदायित्व होगा।
- 3- स्वीकृत धनराशि का माहवार विस्तृत व्यय विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रत्येक माह की 15 तारीख तक निश्चित रूप से उपलब्ध कराया जाए।
- 4- उक्त स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर उसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं मदवार व्यय विवरण शासन एवं सक्षम स्तर को उपलब्ध कराया जाय।
- 5- यदि वर्षान्त पर कोई धनराशि अवशेष रहती है तो वित्त विभाग को समर्पित कर दी जायेगी।

- 6- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों एवं मितव्यता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 7- कोषागार से यथा आवश्यकता धनराशि आहरण से संबंधित बिल में प्रमुख सचिव, आपदा प्रबन्धन से प्रतिहस्ताक्षरित कराकर आहरण किया जायेगा और उतनी ही धनराशि का आहरण किया जायेगा जितनी धनराशि की आवश्यकता हो।
- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2013 तक उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित कर नेशनल स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम के नाम से भारतीय स्टेट बैंक, सचिवालय परिसर की शाखा में खोले गये खाता संख्या-32300578799 में जमा किया जायेगा तथा यथाआवश्यकता धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- 10- इस संबन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत 05-राज्य आपदा मोचन निधि (90 प्रतिशत केन्द्र पोषित)-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-0108-राष्ट्रीय विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।
- 11- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अ.शा. संख्या-19 P/वित्त अनुभाग-5/2012 दिनांक 27 जून, 2012 में दी गई सहमति के आधार पर निर्गत किया गया है।

भवदीय,

(संतोष बडोनी)

अनु सचिव

संख्या-339 (1)/XVIII-(2)/F/12-1(4)/2011 तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री।
- 3- निजी सचिव, मा. मंत्री, आपदा प्रबन्धन, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- अपर सचिव/वित्त एवं व्यय अनुभाग।
- 5- अपर सचिव, नियोजन विभाग।
- 6- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 7- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड।
- 8- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- वित्त अनुभाग-5
- 11- धन आवंटन संबंधी पत्रावली।
- 12- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संतोष बडोनी)
अनु सचिव